प्र.६०

इ. वि. का. राजवाडे संशोधन मंडळ धुळें.

—: हस्त लिखित ग्रंथ संग्रह :—

ग्रंथ क्रमांक [illegible]३.१३४)(५५५)

ग्रंथ नाम [illegible] बत्तीसी.

विषय कथा-पुराणें.

" Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai. "

॥अथ कमळ[illegible] कथा भारत ॥श्री॥

१८

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

(2) मग [illegible] येतां [illegible] स्वारी केली ॥ तो मनन क्षत्राणी आदरा ॥ ह्मणे [illegible] जाई गावु
हिरा ॥ श्रीगां तरि [illegible] डावया ॥ १९ ॥ कोठ काय अपूर्व असे ॥ मेदिनी
[illegible] वर्तत असे ॥ येरू राया सांग्यास कूसे ॥ ह्मणी न [illegible] होते ॥ [illegible]
ऐसी राया चिया बोलणे ॥ मग [illegible] घ्रा [illegible] द्वीपो द्वीपाही
[illegible] लोग [illegible] ॥ दिमै [illegible] स व [illegible] ॥ कुमी द्वीप [illegible] चंद्रद्वीप ॥ पुष्
कर द्वीप [illegible] द्वीप ॥ २ [illegible] अयो ध्यो द्वीप ॥ ऐसे साही
[illegible] [illegible] ॥ [illegible] ॥ मेरा [illegible] पमासारी ॥ गे [illegible] पै [illegible] णा ये
नगरे ॥ कुल [illegible] येना [illegible] पै आ [illegible] ॥ ४३ ॥ वुं
भार [illegible] वाही ले ॥ नव [illegible] वै [illegible] रवे [illegible] दिवि तो ॥ येरे
[illegible] प्रसी कुलि ॥ [illegible] क [illegible] की ॥ ४४ ॥ व [illegible] कीजणे
[illegible] मणा [illegible] वि कृ [illegible] ॥ [illegible] णी हा पुत्र मा सा [illegible] णा ॥ पूर्व कु
मारी चे [illegible] या अ [illegible] ॥ [illegible] णो हे पावा दि ॥ [illegible] ॥ येरू मी [illegible] ने
[illegible] वैसे ॥ अल [illegible] विसांचो सांचो ॥ ये री ह्मणे सन स वा चे ॥

Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai
Joint project of the

(३) सांग तेमी ॥ ४६ ॥ मी माझ गा । चि कुमारि ध्या कुटी ॥ खेळत होते
गंग नाटि पान बचो तोक ऊ नि चो प आ उ ने हरी ॥ तोर मट
मज सी ॥ ४७ ॥ तो ता गम रे हि लउदरी ॥ पु अ ता अव धारि
ऐसे चउ लेम मन बा कुमारि ॥ तो पु थ हा मा स ॥ ४८ ॥ पे
उसे से अध घ चउ दे [illegible] ब प म ज सांडी ले ॥ तरी अ
सो कुमार त्या के ॥ [illegible] ४९ ॥ करू पु गरे ॥ ५० ॥ कुमर सी
राउत चो डे करू [illegible] ठो व रा ॥ ती ॥ रा ले वा हने
तो ॥ ५० ॥ कुमार शी [illegible] गो नि चा दि वा हन माम पोन
ला ॥ अ पी माहा का प्र क मी [illegible] ॥ कुमर सो ॥ ५१ ॥ हा
शेषा चा अवतार ॥ श सा च ना करि अपार ॥ ये के है तो गिवुर ॥
ते ये उ पार पे आय ॥ ५२ ॥ तेथे को पी [illegible] वदे व ना विवरी ॥ तीये
बै अ न हो ना तो करी ॥ ने प्र स न भा दि खे न री ॥ जी य दे
या कम ॥ ५३ ॥ नि नय प्र स न आ दि ॥ स व दु उ यु ध्ये

A joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

(3A)

साधी की ॥ अष्टमासी तेथे वेळि ॥ बोळंगाली तया ते ॥ हे आश्चर्य
समस्त ॥ वे तळ असे दरवळ ॥ नि असे लण ॥ शेष हे ॥
रायासी ईश्वर वरदीध ते ॥ तेचि ये थे स्वीट तें ॥ वेताळ जेणे
हे मजे ॥ लेणे ॥ विस्मय करी ॥ मागे वेताळ अजनीमेसी
अजा ॥ रायाचे तां ॥ चतके ॥ पैरे निर्माण ध्याव दीधले ॥
संजोगी ॥ पै ॥ पै ॥ मागी
रा वर तेचि हानि ॥ वा ॥ नाम उच्चारि ॥ जन्म तयाचे ॥
तो भूहा तया ॥ अर ॥ समर गणी ॥ विक्रम
धारि ॥ चितुनी ॥ ता ॥ राली
वोहस्ताने का ॥ हाणी ॥ च जो ॥ जनी ये चरी टा की
॥ विक्रम ॥ धाकु ॥ मारी ॥ ॥
रा विक्रम राया ॥ अस्त्री जे राणी या ॥ येसा
नमासाचे ॥ धाया ॥ हो ॥ पो ॥ नोगम ॥ सांडिला ॥
+ पा ॥

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai

भटमा उगतिहा तिदिधु जात ॥ या च्या प्रति पाळ्ळ करी पुत्र भ रलाम
(५) निवडे रहा ॥ ८२ ॥ और्डे ज्ञाण तनिराणी ॥ प्रवे ना के [illegible] अ
ति ॥ आ नेम णामी ऐसे तामि ॥ कैच होई ॥ ८३ ॥ अता म्हणऊन
सिंहासनामोग्य कोणी ॥ बैसे ऐसे नुदेखीये जेनि ॥ तन वल्लोदी
गगनी वाणी ॥ वाचा अनुपीते ॥ ८४ ॥ अरे या सींहासना योग्य
१२ करचणा ने नदेखो भाग्य [illegible] क्षेणावे भुमीचा [illegible] ग ॥
पाहेनिया ॥ ८५ ॥ ऐसे [illegible] प्रधान वर्ग अपण
सेनी मेऊनि केले नी [illegible] सीया [illegible] हास न आणण
जाले बहुत दीवसा ॥ ८६ ॥ यावरि जाले ॥ प ॥ दिवस गेले ब १२
हुते कपने थे [illegible] णा चे डेसेन ॥ पाक जे बहुना परी ॥ ८७ ॥
माळ्याचा तला पेपा वुरी ॥ विप्र रुसीर थी ण करी वातेधार ने
गरीर स्यकरी ॥ भोजन रेजन नो ॥ ८८ ॥ पंरु ना जे कोणे एकी
दीवसी ॥ निघा ला वै ह्या भीसी ॥ मुरु तेता वे कि करके

The Rajwade Sanshodhan Mandal Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan Mumbai: " Joint project "

सेलासि ॥ पाव जेसा ॥ ध्वी ॥ विप्रसे तामाळे या वरीता ने
धोनि दध्भा रा सोपि चारि ॥ जणे मा सुसे तपी कुरे असे
मारी ॥ सह परी वारी कृपा कोजे ॥ ८०८ तुहि मय स
नोथ कोजे ॥ कुरडुउओ कियारवा इजे ॥ मा चारे जेआइजे
५अ अणघो न छोदध्वासी ॥ ७१ ॥ रसो निह रपा ओ बीया ॥ अप
हस्तो चेतन ळिया ॥ विप्र ॥ खुरउ ठवावया ॥ नवसे तावि
धेसी तेरसि होय ॥ ८२ ॥ जो रवबु नोके जी ॥ म्हणे सेतावि
बारा बाद जोसी ॥ तेबोव ओ ॥ लोजरायेर ॥ ८३ ॥ अणदवोति
या अपुढि ॥ राजारध्भार धारेचा ति ॥ विप्रते तारवाळि ॥ तो वे
धरामा वियावरि ॥ ८४ ॥ वरो नेमाळता बो भारजा ॥ न को जरु म्हणे
लागला ॥ सा नरोद ध्भारे निचा जाण ॥ तेना अता ॥ ८५ ॥ नयेरुचि
कृपा उडु उडुन रस्ता ॥ पडु सरो निघा बो भारजा ॥ म्हणे सेन रुदर ले
दध्भार आहारता ॥ सोचे बो हेरी ॥ ८६ ॥ मागो विप्रमाळे वरी

Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai

चकले॥ दळभार वारे लाग जा॥ जवमा हुतां बोभा इतया॥
(८) लणे भा तरीतत॥ अण असे॥७७॥ घ्य। च्य फिर डाओ बियाचे॥
औसे अैकोनि विस्मय पराया॥ विशेष अहे श्रमाळिया यरीपे॥७८॥
पारखा तेमू भीचा॥ काही अनसे सा चा॥ लणोनी याउं जया यदु
१२ पाहे॥७९॥ भे भराजा आ[illegible] त्यावरी॥ विप्रासी लणे अ
वधारी॥ अत्मासि सेनटु घ[illegible] तरी॥ तरी मागसी ते देइन॥८०॥
विप्र लणे राया॥ चक्रवर्ति[illegible] शी विनंती॥ जेटु देसी जे ते अ
र्पि॥ ते न घेइ निय॥८१॥ राज[illegible] ळिमा नरी॥ म वडहलास न वा
परी॥ उदारत्व परोपरी॥ अवचे जे सव निया॥८२॥ मागे तर
लारवा जी॥ ते धवा राज्यास कृपणा सा अजि॥ रायाप्यानि वारा लें॥ १३
दुखभत तयाचि॥८३॥ त्रोनि जीत के असे पिकवित॥ यादुनी त्रीगुण
दोष तेउचित॥ विप्रमानि संतोषत॥ लणे से तृ. रत्न लासी दृ धरते॥८४॥
राज्य लणे भूमीचा नियाग॥ अम चे हीत लहोय वा गत॥ मागे प्रथा

Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai - Joint project of the

5A

२

नातेसांचे ॥ गुजजीवे चेप ॥ न्याय म्हणे यामायो खीरिवापी अेकप वस्तु
आहे अजलि कुम्हणो निभावत्व गति आश्रय पूर्व कम मना मा ॥ ४८ ॥ हेतु
जेलुतो भाजी जाणे ॥ अणीक कोणा न नेणे ॥ दुसरीयास न सांगणे ॥
वा तास्पर्शा चे ॥ ५८७ ॥ स्त्रीकुच ॥ गज ते त्यं बाधे गुज ॥ पात्रे दान मनो
गर्षी ॥ प्रसेतारपस्त्र स्वसंयाति ॥ वीर्ता रेण वस्तु संकी पु ॥ १० ॥ मनी ॥
जैसा जेको दरवता तै त्यांचि उप ते ॥ ये कुलविस्ता राचढे ॥ की बाळमे
कानी उतरूपहे ॥ ते विस्तारे ब ॥ १८ ॥ अथवा सुपात्रि दान ॥
प्राप्ति तै से ब्रह्म प्रमाण ॥ ते ॥ प्रधान ॥ गुजतपसरू ने पावे ॥ ५८९ ॥
अ नामा किया खालिरवण ते ॥ असे नेपाहिजे ॥ तरी अता काम
तरा विजेसउ करी ॥ ११० ॥ न वेल ये खणा तारवण ताप ॥ हीरया चे जो नला
गहे पाहाला ॥ परीसा येरवण ताप दरवी जैसी कासन ॥ ११ ॥ सोमका
ना चे निसळ ॥ परत जडीत दीसती की ळे ॥ बानिस पुतळिया चे झळाळे ॥
देखत से ॥ ५९२ ॥ बहीस ज्याते सीरवुनी ॥ सीकासन बाहेर का ढिति
जे ळे अपेपा निया चुविति ॥ नये विळो ॥ ५९३ ॥ परी माणे बाना ळी साहात ॥

Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai "Joint project of the"

पि०व० पृ १

(6)

राजा पुलकीया कडे पाहात ॥ अपुल्या हाती अरती करीत ॥ कर्ति धुर
सम्यवाण ॥ १४५ ॥ ऐसी सीहासन न चाले ॥ तव ते न चुके [illegible] काहीके
डे ॥ नाहा तो विक्रमाती ॥ १४६ ॥ तव प्रधाने ह्मणे [illegible] मानपुर्ति [illegible] अ
सैविसानि ॥ काही विधानाचि नीती ॥ करावी परीसे ॥ १४७ ॥ हे अनाथसी
ढ नस्त असे ॥ ने वण वेफा [illegible] कोण चढे असे ॥ [illegible] चीचे [illegible]
१४॥ नोबीण कैसे ॥ चढे उपाहा [illegible] ॥ [illegible] विधान करा ॥ मुनी मुनी
उपाजाला ॥ ते [illegible] री ॥ प्रधाने तया ॥ १४९ ॥
राये वचन ऐकीले ॥ [illegible] येथे [illegible] पान केले ॥ ने [illegible] उचलीले ॥ ते
थौनिया ॥ १५१ ॥ [illegible] वले चरास [illegible] ले ॥ राये अन दमाजी [illegible] ले ॥ प्रधा
न वगी ते सं [illegible] विर [illegible] राये उद्ध पपने ॥ २०० ॥ राजा ह्मणे तुम
चीये बुद्धि ॥ मज [illegible] लीसीहासन सोडी ॥ ये रहाण [illegible] १४५
निर्धी ॥ तुचि [illegible] ॥ अम चा मंत्र ऐकसी ॥ ते णे का
र्य सांधी पावसी ॥ जे [illegible] कवि [illegible] नार [illegible] ॥ २१ ॥

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yeshwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

नति त्याचे वचन ऐकाति ॥ वडी जोमान देति ॥ ते कार्य सीधी ते पावति ॥
68 ससमाणा ते ॥३॥ ज्या राया स्वयें बुद्धी नाही ॥ आणीसी कधि देना औकु
कोहि ॥ तया पड ना अपार ॥ ते अंगे ॥४॥ जैसा राजा मंत्रि ब्राह्मणि
के ॥ तेथे अनर्थ होतातु के ॥ नारी औकावे सस्कुन भासे ॥ सांचे नते
॥५॥ ॥ श्लोक ॥ नदी नीरे [illegible] ॥ तारुण्य नारी नीरा श्रया ॥
मैत्री वीरधी नीरा जा [illegible] कूद चनं ॥१०॥ वोविर
ते नदी नीरे ॥ अश्रया विण [illegible] नारी ॥ आणी मैत्री विण राज्य करि ॥
चिरायु न हे ॥६॥ [illegible] नीया [illegible] राजा ॥ कीं तारुण्या विण सौभाग्या ॥
तै त्या विण दुर अभाग्या ॥ का वैराग्या [illegible] ता नाविण ॥७॥ जैसी नीचाची
संगती ॥ कां पाखडीयाची माति ॥ नानारीवे इयुची प्रति ॥ निरार्थक ॥ [illegible]
रखल्गाचि मंत्रि ॥ पराधीनाची संपति ॥ कि [illegible] संगाति ॥ चीरायु
नहे ॥८॥ निर्धनाचा आग्रपे ॥ का चोबकाचा कोप ॥ नानारीचे [illegible]

कूर्माच्या डोळा ॥ तिंगंध स्व जैसा ॥ ११० ॥ जैसे सबीतीनें स्तबे हो ॥ कीं रूप

णानेण टें ॥ खडण गाई चे गोरस ॥ कैसे कार्य सरे इ जें ॥ १११ ॥ व्यभि

चारिणी ची भक्ती ॥ अथवा स्वतनी चीरक्षा प्राप्ती ॥ कीं मै दाचे बा

ळगाती ॥ त्ववीद रखा ॥ ११२ ॥ अथवा थीं हरीचे जन्मयकी कोल्हाटी चे

दुळ्ह ॥ नानरी [illegible] [illegible] नागरी ॥ ११३ ॥ जैसें बूराचे [illegible]

15 चैस्य उरवपरी तयें नीकें [illegible] तेरहस्य विकुळ ॥ प्रधाना विणें अन्य

मात्रिण तिरायासी ॥ परत [illegible] अहे तैसा पाचि ॥ कवण कडी को

कैसी ॥ सांगा मज ॥ ११४ ॥ [illegible] उदार भारि ॥ निष्ठुर केवळ अं

तरी ॥ भेड अणी शौर [illegible] दिसत असती ॥ ११५ ॥ स्ना

हाणा आणि अळसी ॥ सत्यवंत अणी कुडा हांसी ॥ जाणता १६

परीअज्ञान पणा तुम्हसी ॥ दीसत अहे ॥ ११७ ॥ साति

क अणी वादी ॥ सांच कबे बकेरकेष्पि ॥ ऐतीं लक्षण प्रसीद्धी ॥

Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai

(२४)

मुली देख तोरायाा ।।१८।। अभओ ले लावालि पडीहे
सांगीतलें नकोचिक्या ही ।। भरतीचे ोखरी दिधणेन
हिमन कल्याति अप्पा ।। १९ ।। कोणा बैसोमादि मो
हि ।। येथी निवडरा वि ।। युक्ति करीनि मजा
दृष्टि असाधीन्नेपर ।। २० ।। हाल ।। श्रे च्यायाकारणे
कृपणा कृपा ।। त्रेलोक्यो ।। निष्ठुर देव दयालनाथ
कृपाळु अनाथा नाथ ।। २१ ।। भेडे तारिपाप्रावीसी
रोघा रत हरिणी आई कीं ।। अर्पी श्राहाणो दखीन

(४) सत्कर्माच्या ठाई ॥२२॥ आणि असी कुकर्मासि ॥ स
त वैर सत्यासी ॥ कृपाळु असत्यासी ॥ असेंपण हे पा ॥२३॥
सुजनपणासी सोयरें ॥ अज्ञाना आसरा ॥ येणें ॥ विवेक
प्राप्तीचे ॥ उजाणसी ॥२४॥ सात्विक सात्विकासी ॥
विनोदी यी [illegible] चे [illegible] अहीणसी ॥
ताल न्यायाचा ॥२५॥ [illegible] आनिलीचीं ॥ असा
[illegible] प्रधान सोम ॥ [illegible] कुरा [illegible] परीक्षा जाण [illegible]
चे नारव्यपत्रोपाख्यान ॥ निजि शास्त्राचे जाणपण ॥ समयो वो कुल
जो अपण ॥ भजो मनाचे ना ॥२६॥ स्वामी कार्या ही तं ॥ पापाचें ॥
भय पुर्वीरी ॥ प्रज्ञसी [illegible] बोध करी ॥ अणी [illegible] बारी च
सामो [illegible] ॥२७॥ अंत समया [illegible] [illegible] रायाचे अपेक्षेचे तें दे

Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

(8A)

नं दस पाहाता पुर्वि ॥ याचि हत्या चुकविलि प्रधाने ॥२५॥ तव रापा
जे जसें ॥ ते अल्पाप्रति सागपाप प्रधान सांगतत हाणि ॥
आरा यासी ॥२६॥ साया विशाल ना मन गर्विष्ट थें नं दसा जास न्य करी
याचि प्राणि आसेसुं दरि ॥ तयेना प्रधाना मा वृ २७ ॥ वृजपे पा ना
मेनं दन ॥ ब हु प्रांतना नेथ ... वित्य होता पारि पुर्ण ॥ स्त्रि
यातुल ध्यते ॥२८॥ रा जास ... जे होय ॥ आनी मर्गी मांडिय वे
सविजे हो ॥ प्रधाने ह्मणे ... हावे ॥ स्विवर्गा मि ॥२९॥ मो
रि गहा मधे आसा वि ॥ सम जे ... येउन स्पा वि ॥ ब्रम तां होये
ति ये जाणा वि ॥ चे च भाता नीयेचो ॥३०॥ ॥ श्लोक ॥ ॥ ॥ श्री
मंते पुजयत राजा ॥ ब्रमंते पुजयत क्षीजा ॥ ब्रमंते पुजयत चकि

Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan Mumbai.

यथ्य ५७

(४)

। बोवि ।। ।। सोपोण । गाराया
।। म्हणे मंतेचि नशती ॥ १७ ॥ [illegible] करी बोलवा
सो कावें ।। मानुमतिचि णवनी [illegible] होवे ।। तारी । चित्र
को । क्षेपकरणे मानामति [illegible] सभे बैसल्याते स्वप ७ ।। दृष्टी
ढे वावेपुढो । हे समानलेरा [illegible] तवचित्र का [illegible] निमोपि लो ।
।। ७ ६ ।। ते णे तेचि [illegible] सो नि अ [illegible] । रायापुढे ढे वी लो ।। म । गेला ये
बोलावी लो । गुरूमंत्रिया तो [illegible] दानंद मागुरू को । सावा । पुर
आलो । रुपनुन्याकि चुर्णता । लानो मति सारीखे ।। ७ ८ ।। येसरांवं [illegible] १८
ह्मणात लो । रूपउत्तम चोढ वलो । वामजं घेतिल आहे सांगितलो ।।
तो सोरवी लाना हि ।। ७ ९ ।। हे सि या बोलो वरी । पा जा । रवो चलो जिभा

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai

रिं॥ राणि येसीनी धरिला स्ने जे स्मरल्या आसे हा ॥४॥ रा. जा मानि विचा
रिला याचा। जारि प्रगट ग्यात करी॥ तरि का न होइल लो। को मी तारिं॥ या स्मण
॥४॥ गुरु द्रोहि ह्मणाति॥ गुप्त मारु लेसि वृति॥ बोलाउनि प्रधान श्रोति
॥ तयांसी भिक्षा पादिध ला॥ ४९॥ हे शारदा नंदन॥ गुप्त रुपेन उन
ध्यावा याचा प्राण॥ नी [illegible] ॥ येक राजउ रा फाकोता जा
ला॥ राजा गुरु बाहे रआ। [illegible] वले म हीघा तला प्रयागामधे
॥५०॥ म्हणे हा घात टाकी जो ॥ लोट कि मेणी जो॥ बुंस हा
9A बो कमे कविले॥ राया चा वे॥ ५१॥ ऐसो केतेक दिवस जाले
॥ सतंवराये बहुत श्रांत याप पुसिला॥ म्हणे शारदानंदना
मासाके॥ कोना हिं॥ ५२॥ येरु म्हणे जिस्वामि॥ जैसा आज्ञा

Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

१२०७८

३५

(१०) दि धालिं तुम्ही ।। तेव्हांचि केली आग्न ।। तत्पाचि यो विजयेपाल
नं दुन ।। येश नेपासरी जो ।। कोणे ऐके दीवहि आपण ।। पर
धि निघाला जाण ।। पुढा हे [illegible] पाव हा कुन ।। तेणे केश्री ज
१८ गया ।। ४८ ।। केतुली हा [illegible] आमेगुपकशीला वीत्र देखी
ला ।। नु सकुमारि रजकार [illegible] ।। मैलोवस्त्र पाभेटली ।।
न हपणी कोवशी दुहपद [illegible] परिख दिओ आदुवट ।। ४९ ।।
छाबधरा होवोनी छत्रपती को ।। चाम भार ध्वज उजावे मे १८५
गे को ।। वाध्यामन वृक्षास केलो सपुर्व्वद ।। ५० ।। ओसे

"Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai."

10A

आप शकुन जाले ॥ जवळाचे लोकि नारी ले ॥ परिमर्ग
रिच घृणीत के ॥ पाहे ब्रह्मचारी पाची ॥ ४३ ॥ ॥ श्लो क ॥ ॥
निविश्वासे शाषपे लाग ॥ नकि याप कोहस ॥ मानिंद्रापो
गियाव द ॥ अंसु पन कोर येत ॥ ४४ ॥ ॥ वो. वी ॥ अल भूप
ती प्रेसा विस्ताच ॥ सघ [illegible] सपी व ॥ नी द बोल पोगि
याचा ॥ बोलीनये ॥ ४ [illegible] लपाच्या दुबे गावे ॥
येरेलणी ताकी ओ कु [illegible] ग पारधी नी ति जे ॥ रा
जकुमर ता ॥ ४५ ॥ गेला उपाट व्या वनाभी सा ॥ श्वा
पदे पुर्ति ली परते परोत वस्तु करये के नी घाली आवधा
को म्हणा बकरीया ॥ ४६ ॥ सुकर पकत से द स्वा कुमर
पाटी लागला कुन दिवा ॥ त कुन पसीवर पाहूबा ॥

Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai. "Joint project"

नी.व

(११) घोडे स्वारीगे कारसाटं व्या माजी ॥४७॥ लवू माध्यां मकाला
जाला ॥ तृहा कां श फर जाला ॥ ६ प कमदे खे मग ॥
का ये कवृ म्हसवाली ॥ ५८ ॥ घोडा बांधीला खांदीस
आपण बेसला छासी [illegible] ना वेक जिवासी ॥ बरवे
॥१९ वाटले ॥५९॥ ई तु व [illegible] ॥ वस्वरी ॥ मेण कोहू
निये ईज व्या घ्रा ॥ घासु [illegible] ला होता वोग पुरी ॥ ता
पळालो या गेला ॥ ६० ॥ [illegible] बेहिलो भासी ॥ रीय कास ८
आलो ६१ ॥ तालिव्याघ्र वसी ज्योश्व ले राज कुमराज २६
येघ वले ॥ तोगाणोनी ससबोली ह्मणे बासे भी मुमाको रे २
॥६२॥ मालिम य मधतो ॥ सजमाय ई वरी ॥ लें वोचा ८०१

"Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan Mumbai."

मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००१ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com